प्रकाशक

की ओर से

स्वतंत्रता से भी पहले से अमेरिकी लोगों का मानना रहा है कि नागरिकों का जानकारी से ओत-प्रोत होना किसी भी लोकतांत्रिक समाज में अहम है। हमने मुद्रित शब्दों तक नियमन और निगरानी से मुक्त पहुंच के जरिये सूचना प्राप्त करने के अधिकार को संजोए रखा है। पैंफलेट, पुस्तकों, समाचार पत्र और पत्रिकाओं ने शुरुआती अमेरिकी बस्तियों में ठीक उसी तरह स्वतंत्रता के विचार का प्रसार किया जिस तरह ऐसे ही लेखों ने भारत को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया।

प्रेस की आजादी - लेखन, मुद्रण, प्रकाशन और पढ़ने की स्वतंत्रता- को अमेरिकी संविधान के प्रथम संशोधन के जरिये सुरक्षित किया गया। स्वतंत्रता के घोषणा पत्र के मुख्य रचयिता थॉमस जैफरसन बाद में जब राष्ट्रपति बने तो उन्होंने 'लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस' की स्थापना में मदद की, ताकि अमेरिकी प्रतिनिधियों की विस्तृत मानव ज्ञान तक पहुंच हो सके।

वैश्विक स्तर पर ज्ञान और सूचना की सहभागिता से लोकतंत्र का विकास होता है। इसीलिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने विश्व के तमाम शहरों में अमेरिकन इन्फरमेशन रिसॉर्स सेंटर और अमेरिकी कॉर्नर स्थापित किए हैं। इसी कारण यू.एस. लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस भारत तथा अन्य देशों के साथ मिल कर विश्व डिजिटल लाइब्रेरी परियोजना स्थापित करने का प्रयास कर रही है ताकि यह सुविधा उन कस्बों और गांवों तक भी पहुंच सके जहां अमेरिका की तरह स्थानीय लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। लेकिन, इस काम को बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए ताकि बौद्धिक संपदा अधिकारों का हनन न हो। हमारे आवरण कथा पैकेज में इन्हीं मुद्दों को खंगाला गया है।

हम आशा करते हैं कि स्पैन में प्रकाशित लेखों के बारे में आप अपने विचार हमारे नए हिंदी संपादक गिरिराज अग्रवाल को भेजेंगे। वह अलवर, राजस्थान के मूल निवासी हैं और उन्हें आउटलुक पब्लिशिंग, अमर उजाला प्रकाशन और नवभारत टाइम्स में लेखक, अनुवादक और संपादक के रूप में 15 साल का अनुभव है।

प्रकाशक: माइकल एच. एंडरसन **प्रधान संपादक:** कोरिना आर. सैन्डर्स
संपादक: लॉरिंडा कीज़ लौंग **सहयोगी संपादक:** ए. वेंकट नारायण
उर्दू संपादक: अंजुम नईम **हिंदी संपादक:** गिरिराज अग्रवाल
कॉपी संपादक: दीपांजली काकाती **कला निर्देशक:** हेमंत भटनागर
उप कला निर्देशक: शरद सोवनी, खुरशीद अनवर अब्बासी
प्रोडक्शन/ प्रसार प्रबंधक: राकेश अग्रवाल
प्रोडक्शन सहायक: आलोक कौशिक
बिज़नेस मैनेजर: आर. नारायण
शोध सेवा: अमेरिकन इन्फरमेशन रिसॉर्स सेंटर, ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल इन्फरमेशन प्रोग्राम्स

आवरण: हेमंत भटनागर

पब्लिक अफेयर्स अनुभाग, अमेरिकन सेंटर, 24 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (फोन: 23316841) द्वारा अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली, के लिए प्रकाशित और अजंता ऑफसेट एंड पैकेजिंग लिमिटेड, 95-बी वज़ीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052 द्वारा मुद्रित। यह आवश्यक नहीं है कि इस पत्रिका में व्यक्त विचार अथवा नीतियां अमेरिकी सरकार की ही हों। अनुमति के बिना इस पत्रिका का कोई भी अंश प्रकाशित नहीं किया जा सकता। इस अंक में 68 पृष्ठ हैं।

स्पैन का वेब पता
http://usembassy.state.gov/posts/in1/wwwhspan.html

Contact us: editorspan@state.gov
For subscriptions: narayanr@state.gov
For change of address: agrawalr@state.gov

जनवरी/फरवरी 2006
SPAN स्पैन
वर्ष: 4 अंक: 1

आवरण कथा 2

इस अंक में

2 अमेरिका के पुस्तकालय कैटलिन आर. मैक्वी और लॉरिंडा कीज लौंग
4 लिखो वही जो पढ़ा जाना चाहिए कैटलिन आर. मैक्वी
5 सेल्फ हेल्प किताबों की दीवानगी स्टीव हॉलगेट
7 यादों ने बनाया कलम की रानी रंजीता बिस्वास
8 अंतहीन पुस्कालय वेड रॉश
15 दशकों की गुमनामी के बाद पहचान सूसन ई. टिफ्ट
18 अमेरिका का जन्म प्रमाण पत्र जॉन आर. हेबर्ट
22 दो उम्मीदवारों की कहानी आशीष कुमार सेन
25 अब तो मुस्कराइए
26 बढ़ते कदम लॉरिंडा कीज लौंग
32 मिसिसिपी में उस दिन कैरोलिन क्लीनर बटलर
34 45 साल पहले दीपांजली काकाती
36 सरहदों को लांघते चिकित्सक आशीष कुमार सेन

1966 में वाशिंगटन डी.सी. में राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन के साथ प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी

बढ़ते कदम 26

बचपन से ही तराशो 44

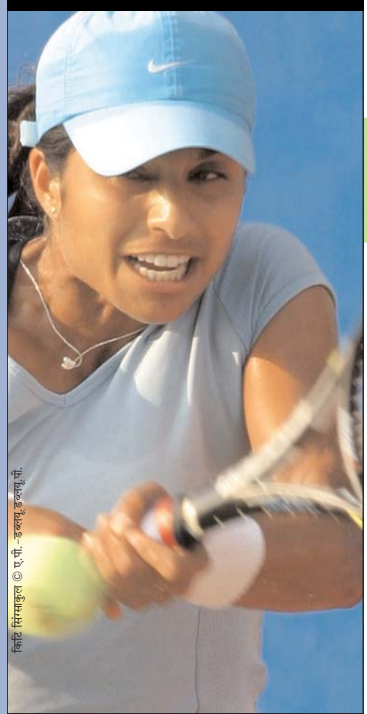

क्विंटि सिंगवाइल © ए.पी. - डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

टेनिस की नई प्रतिभा अमेरिकी शिखा ओबेरॉय भारतीय फेडरेशन कप टीम की ओर से खेलीं

39 महिला खिलाड़ी: बन रहे हैं नए कीर्तिमान क्लेयर स्मिथ
44 बचपन से ही तराशो ए. वेंकटनारायण
46 डिस्कवरी: नए रंग, नए बाजार दिनेश सी. शर्मा
50 सिनेमा में अब वैज्ञानिकों की दस्तक जॉन ब्योर्थ
52 सिनेमा अध्ययन यानी नया एमबीए? एलिजाबेथ वेन नेस
54 अमेरिका में जीवन संवारते मुस्लिम जेन. आई. स्मिथ
59 अनूठी शैली वाला साहित्यकार अंजुम नईम
60 कला ही बनी जिंदगी गिरिराज अग्रवाल